स्नातक - II / हिन्दी साहित्य का इतिहास

प्रधान हिन्दी (प्रतिष्ठा) / लघु उत्तरीय प्रश्न

चन्देश्वर प्रसाद सिंह
अध्यक्ष, हिन्दी विभाग
अल-हफीज़ा कॉलेज, आरा

प्रश्न - 1. साहित्य के इतिहास का तात्पर्य क्या है?

उत्तर — साहित्य के इतिहास का तात्पर्य कालक्रमानुसार, युगीन संदर्भों में साहित्यिक कृतियों का विवेचन है।

प्रश्न - 2. हिन्दी साहित्य के इतिहास-लेखन का पहला प्रयास किसने किया था?

उत्तर — हिन्दी साहित्य के इतिहास-लेखन का पहला प्रयास गार्सां द तॉसी ने किया था।

प्रश्न - 3. हिन्दी साहित्य के इतिहास का पहला गंभीर प्रयास किसके द्वारा किया गया था?

उत्तर — हिन्दी साहित्येतिहास लेखन का पहला गंभीर प्रयास आचार्य रामचन्द्र शुक्ल ने किया था।

प्रश्न - 4. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल के पूर्व किन-किन व्यक्तियों ने हिन्दी साहित्य का इतिहास लिखा था?

उत्तर — आचार्य रामचन्द्र शुक्ल के पूर्व डॉ. जॉर्ज ग्रियर्सन, शिव सिंह सेंगर और मिश्रबंधुओं ने हिन्दी साहित्य का इतिहास लिखा था।

प्रश्न - 5. जॉर्ज ग्रियर्सन की साहित्येतिहास-पुस्तक का नाम क्या है?

उत्तर — जॉर्ज ग्रियर्सन की साहित्येतिहास-पुस्तक का नाम 'द मॉडर्न वर्नेक्युलर लिटरेचर ऑफ हिन्दुस्तान' है।

प्रश्न - 6. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल के पश्चात् हिन्दी साहित्य का इतिहास-लेखन करने वाले मुख्य लेखक कौन-कौन से हैं?

उत्तर — आचार्य रामचन्द्र शुक्ल के पश्चात् हिन्दी साहित्य का इतिहास-लेखन करने वाले मुख्य लेखक हैं — आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, डॉ. रामकुमार वर्मा और डॉ. धीरेन्द्र वर्मा।

प्रश्न - 7. आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी की साहित्येतिहासिक पुस्तकों के नाम क्या है?

उत्तर — आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी की साहित्येतिहासिक पुस्तकों के नाम हैं — हिन्दी साहित्य की भूमिका, हिन्दी साहित्य का आदिकाल तथा हिन्दी साहित्य: उद्भव और विकास।

प्रश्न – 8. आचार्य शुक्ल और आचार्य द्विवेदी की साहित्येतिहासिक दृष्टि में मुख्य अंतर क्या है?

उत्तर – आचार्य शुक्ल ने जहाँ युग की परिस्थितियों को महत्त्व दिया है, वहीं आचार्य द्विवेदी ने परंपरा के महत्त्व को प्रतिष्ठित किया है।

प्रश्न – 9. डॉ. रामकुमार वर्मा के हिन्दी साहित्य के इतिहास का नाम क्या है?

उत्तर – डॉ. रामकुमार वर्मा के हिन्दी साहित्य के इतिहास का नाम है – 'हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास'।

प्रश्न – 10. आचार्य शुक्ल ने हिन्दी साहित्य को कुल कितने भागों (कालों) में बाँटा था?

उत्तर – आचार्य शुक्ल ने हिन्दी साहित्य को कुल चार भागों (कालों) में बाँटा था।

प्रश्न 11. हिन्दी साहित्य के चारों ~~काल~~ कालों के नाम बताइए।

उत्तर – हिन्दी साहित्य के चार नाम हैं – आदि काल (वीरगाथा काल), भक्ति काल रीतिकाल और आधुनिक काल।

प्रश्न – 12. आचार्य शुक्ल ने हिन्दी के प्रारंभिक काल को वीरगाथा काल क्यों कहा?

उत्तर – आचार्य शुक्ल ने प्रारंभिक काल में वीरगाथाओं और प्रशस्ति परक काव्य-रचनाओं की प्रधानता के कारण उसका नाम वीरगाथा काल रखा।

प्रश्न – 13. भक्ति काल को कुल कितने भागों में बाँटा गया है?

उत्तर – भक्ति काल को मुख्यतः दो भागों और चार उपभागों में बाँटा गया है।

प्रश्न – 14. कबीर भक्तिकाल की किस धारा के प्रतिनिधि कवि थे?

उत्तर – कबीर भक्तिकाल की निर्गुण काव्यधारा की ज्ञानाश्रयी शाखा के प्रतिनिधि कवि थे।

प्रश्न – 15. निर्गुण ~~काव्यधारा~~ काव्यधारा की प्रेमाश्रयी शाखा के प्रतिनिधि कवि कौन थे?

उत्तर – निर्गुण काव्यधारा की ~~शाखा~~ प्रेमाश्रयी शाखा के प्रतिनिधि कवि मलिक मुहम्मद जायसी थे।

प्रश्न – 16. रामभक्ति शाखा और कृष्णभक्ति शाखा के प्रतिनिधि कवि कौन-कौन से थे?

उत्तर – रामभक्ति शाखा के प्रतिनिधि कवि तुलसीदास और कृष्ण भक्ति शाखा के प्रतिनिधि कवि सूरदास थे।

प्रश्न – 17. कबीर की काव्यभाषा का नाम क्या है?

उत्तर – कबीर की काव्यभाषा का नाम 'सधुक्कड़ी' है।

प्रश्न – 18. सूरदास के काव्यग्रंथों के नाम क्या हैं?

उत्तर – सूरदास के काव्यग्रंथों के नाम हैं – सूरसागर, सूरसारावली और साहित्य लहरी।

प्रश्न—19. मलिक मुहम्मद जायसी ने कौन-सी रचना किस भाषा में की थी?
उत्तर— मलिक मुहम्मद जायसी ने 'पद्मावत' की रचना अवधी भाषा में की थी।
प्रश्न—20. किस काल को हिन्दी 'साहित्य का स्वर्ण युग' कहा जाता है?
उत्तर— भक्तिकाल को हिन्दी 'साहित्य का स्वर्ण युग' कहा जाता है।
प्रश्न—21. 'रीतिकाल' नामकरण से क्या तात्पर्य है?
उत्तर— 'रीतिकाल'—नामकरण का तात्पर्य ऐसे काल से है जिसमें एक विशेष रीति अथवा पद्धति का अनुसरण करते हुए रचनाएँ लिखी गईं।
प्रश्न—22. 'रीतिकाल' का दूसरा नाम क्या है? यह किसके द्वारा दिया गया था?
उत्तर— 'रीतिकाल' का दूसरा नाम 'शृंगार काल' है। यह विश्वनाथ प्रसाद मिश्र के द्वारा दिया गया था।
प्रश्न—23 रीतिकाल के चार कवियों के नाम लिखिए।
उत्तर— चिन्तामणि, देव, बिहारी, घनानंद।
प्रश्न—24. 'सतसैया के दोहरे, अरु नावक के तीर' —उक्ति किस कवि के बारे में कही गयी है?
उत्तर— उपर्युक्त उक्ति बिहारीलाल के बारे में कही गयी है।
प्रश्न—25. कवि बिहारी ने किस राजा को रानी के मोह से मुक्त कराया था?
उत्तर— कवि बिहारी ने राजा जयसिंह को रानी के मोह से मुक्त कराया था।
प्रश्न—26. रीतिकाल के किस कवि में 'गागर में सागर भरने की कला थी?
उत्तर— रीतिकाल के कवि बिहारी में 'गागर में सागर' भरने की कला थी।
प्रश्न—27. कवि भूषण की रचनाओं के नाम लिखिए।
उत्तर— शिवराज भूषण, शिवा बावनी और छत्रसाल दशक।
प्रश्न—28. कवि भूषण किस रस की कविताओं के लिए प्रसिद्ध हैं।
उत्तर— कवि भूषण वीर रस की कविताओं के लिए प्रसिद्ध हैं।
प्रश्न—29. 'कठिन काव्य का प्रेत' किस कवि को कहा गया है?
उत्तर— 'कठिन काव्य का प्रेत' 'केशवदास' के लिए कहा गया है।
प्रश्न—30. केशवदास रचित महाकाव्य का नाम लिखिए।
उत्तर— केशवदास रचित महाकाव्य का नाम 'रामचन्द्रिका' है।
प्रश्न—31. रीतिकाल की प्रमुख काव्यधाराएँ कौन-सी हैं?
उत्तर— रीतिकाल की प्रमुख काव्यधाराएँ हैं— रीतिबद्ध और रीतिमुक्त।
प्रश्न—32. रीतिकाल में किस रस की प्रधानता थी और क्यों?
उत्तर— रीतिकाल में शृंगार रस की प्रधानता थी जिसे कवियों ने अपने-अपने आश्रयदाता को रिझाने और प्रसन्न करने के लिए प्रयुक्त किया था।